www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ...
3 जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई साप्ताहिक...
4 भगवान श्रीकृष्ण ने दुष्टों का विनाश कर धर्म की...

वर्षः 9 | अंकः 295 | दिल्ली, मंगलवार, 19 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

संसद में चुनाव आयोग पर अब और हंगामा नहीं-रिजिजू

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर संसद में व्यवधान पैदा करने से बचने का आह्वान किया। रिजिजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच किसी भी विवाद पर सीधे चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग और कांग्रेस पार्टी के बीच के मुद्दे पर चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। हम चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है और हम उनकी ओर से जवाब नहीं दे सकते। उन्होंने विपक्ष से चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर "हंगामा" न करने का आग्रह किया। रिजिजू ने कहा कि जहाँ तक कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों का सवाल है, उन्होंने चुनाव आयोग के मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। मैं उनसे अनुरोध करता हूँ कि वे इस चर्चा के दौरान हंगामा न करें। रिजिजू ने यह भी घोषणा की कि संसद कैप्टन शुभांशु शुक्ला और भारत के अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की उनकी हालिया अंतरिक्ष यात्रा के सम्मान में एक विशेष चर्चा आयोजित करेगी। रिजिजू ने कहा कि आज संसद में हम एक विशेष चर्चा के माध्यम से कैप्टन शुभांशु शुक्ला का सम्मान करने जा रहे हैं। हम उनकी अंतरिक्ष यात्रा और भारत के अंतरिक्ष मिशन पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

संबित पात्रा का आरोप, घुसपैठियों को बचाने में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने बिहार में विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) का लगातार विरोध करने और सदन की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि वे घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने एएनआई से कहा कि पूरा भारत पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दलों का व्यवहार देख रहा है, खासकर एसआईआर मुद्दे और बिहार चुनाव को लेकर। आप सभी देख रहे हैं कि संसद की गतिविधियों में बाधा डाली जा रही है। कोई काम नहीं होने दिया जा रहा है। इसके पीछे क्या मंशा है? राहुल गांधी जो दौरा कर रहे हैं, उसके पीछे क्या मंशा है? संबित पात्रा ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी घुसपैठियों को बचाना चाहती है और कहा कि इसके पीछे केवल एक ही मंशा है, और वह मंशा है कि घुसपैठियों को कैसे बचाया जाए। पात्रा ने एसआईआर को एक स्वाभाविक प्रक्रिया और अवैध मतदाताओं को हटाना चुनाव आयोग की ज़िम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा, "यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है कि घुसपैठियों को बाहर निकालना चुनाव आयोग की ज़िम्मेदारी बन जाती है। उन्हें मतदाता सूची में नहीं आना चाहिए और न ही उन्हें चुनाव में भाग लेने का अधिकार होना चाहिए।

मुंबई में भारी बारिश के कारण जलभराव

मुंबई (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर 204.80 मीटर जलस्तर के साथ यमुना नदी सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी चेतावनी के निशान से ऊपर बहती रही। दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर सोमवार सुबह सात बजे यमुना नदी का जलस्तर 204.80 मीटर के स्तर तक पहुंच गया। वहीं मुंबई में भी बारिश के कारण सब अस्त व्यस्त हो रखा है गुजरात के भी कई हिस्सों में बाढ़ की आशंका।

दिमाग को अंदर से पूरा खा जाता है ये छोटा कीड़ा, केरल में फैला आतंक

केरल (एजेन्सी)। केरल के कोझिकोड ज़िले में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस या 'दिमाग खाने वाले अमीबा' के कारण एक मौत सहित तीन मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की है। इस संक्रमण से नौ साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो अन्य का कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इनमें से एक मरीज वेंटिलेटर पर है। ज़िला चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके राजाराम ने जोर देकर कहा कि आगे के मामलों को रोकने के लिए निवासियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निदेर्शों का पालन करना चाहिए। अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस तब होता है जब अमीबा परिवार के रोगजनक, जो पानी में स्वतंत्र रूप से रहते हैं, मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। यह रोग आमतौर पर उन लोगों को प्रभावित करता है जो ठहरे हुए पानी में गोता लगाते हैं या तैरते हैं। अमीबा नाक और मस्तिष्क को अलग करने वाली पतली परत के छिद्रों या कान के पर्दे के छिद्रों के माध्यम से मस्तिष्क में प्रवेश कर सकता है। इस संक्रमण की मृत्यु दर बहुत ज्यादा है और यह इंसानों से इंसानों में नहीं फैलता। इसके लक्षण आमतौर पर संपर्क में आने के पाँच से दस दिनों के भीतर दिखाई देते हैं और इनमें तेज सिरदर्द, बुखार, मतली, उल्टी, गर्दन घुमाने या रोशनी देखने में कठिनाई शामिल है।

मोहन भागवत ने किया 'तन समर्पित, मन समर्पित' पुस्तक का भव्य लोकार्पण

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में स्वर्गीय रमेश प्रकाश के जीवन और योगदान को समर्पित उनकी जीवनी प्रधान पुस्तक 'तन समर्पित, मन समर्पित' का अत्यंत ही मार्मिक और प्रेरक लोकार्पण हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी, इंडिया टुडे समूह की अध्यक्ष कली पुरी और स्वर्गीय रमेश प्रकाश की पत्नी आशा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया, क्योंकि प्रत्येक ने रमेश की असाधारण जीवन-यात्रा को प्रतिबिंबित किया, जिसमें समाज कल्याण के प्रति उनके समर्पण, उनकी अटूट सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट प्रेम का जश्न मनाया गया।

सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. मोहन भागवत ने रमेश के प्रेरणादायक गुणों पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि कैसे उनके जीवन में त्याग, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव के प्रति अथक प्रतिबद्धता के आदर्श प्रतिबिम्बित हुए। एक समर्पित कार्यकर्ता की पहचान उपाधियों, धन या सार्वजनिक प्रशंसा से नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन, विनम्रता और व्यापक हित के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता से होती है। ऐसा व्यक्ति शांत, त्याग की भावना से परिपूर्ण होता है, हमेशा ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए तत्पर रहता है, कभी भी पहचान की चाह नहीं रखता, और हमेशा अपने उदाहरण से दूसरों को प्रेरित करता रहता है। रमेश इन गुणों के प्रतीक थे। उनकी सबसे बड़ी शिक्षाओं में से एक थी - राष्ट्र सेवा पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। गृहस्थ आश्रम के ढांचे के भीतर, उन्होंने हमें दिखाया कि कैसे परिवार का पालन-पोषण प्रेम और जिम्मेदारी से किया जा सकता है, और साथ ही, उसी भावना को समाज और राष्ट्र तक भी पहुँचाया जा सकता है। व्यक्तिगत कर्तव्यों को जनसेवा के साथ सामंजस्य बिठाकर, उन्होंने प्रदर्शित किया कि दोनों अलग नहीं, बल्कि पूरक हैं। डॉ. भागवत ने प्रकाश की असाधारण सादगी और समर्पण पर भी विचार किया, और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे व्यक्तित्व समाज के नैतिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं और बिना किसी पहचान या सामाजिक प्रतिष्ठा की लालसा के, रमेश ने राष्ट्र और उसके लोगों के कल्याण के लिए निरंतर परिश्रम किया, और अपने आदर्श की शांत उदात्तता से सभी को प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि कैसे उनके मूल्य समाज की सेवा में पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत के बौद्धिक और मीडिया जगत की ओर से बोलते हुए, कली पुरी ने इस पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह राष्ट्र निर्माण में व्यक्तिगत त्याग के महत्त्व की समयोचित याद दिलाती है और 'पंच परिवर्तन' के विचार के महत्त्व पर भी प्रकाश डालती है। यह पुस्तक रमेश प्रकाश की अथक यात्रा को दशार्ती है, जिनका जीवन निस्वार्थ सेवा, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय उत्थान के लिए समर्पित था।

सुरुचि प्रकाशन से सद्यः प्रकाशित यह पुस्तक रमेश प्रकाश की अथक जीवन-यात्रा को प्रकाशित करती है। एक ऐसा जीवन जो अनवरत निस्वार्थ सेवा, समाज कल्याण और राष्ट्र उत्थान के लिए समर्पित रहा। प्रकाश सत्यनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित तो थे ही, वे त्याग और देशभक्ति के उन आदर्शों के प्रतीक थे, जिन्हें आरएसएस ने सदैव पोषित किया है। सामुदायिक विकास और युवा लामबंदी से लेकर सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों तक, उनका कार्य पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सुमित मलुजा ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और कहा- राष्ट्र के उत्थान और परम वैभव को अपने आचरण में उतार कर रमेश प्रकाश अमर हो गए।

इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता और रमेश के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरित-प्रभावित प्रशंसकों ने शिरकत की तथा राष्ट्र एवं समाज कल्याण के प्रति उनके सरल, विनम्र एवं पूर्णतः समर्पित जीवन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही काफी बड़ी संख्या में विद्वान, साहित्यकार, पत्रकार, शोधार्थी, विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। इतनी भारी संख्या के बीच "तन समर्पित, मन समर्पित" का लोकार्पण उसकी इस महत्ता को दशार्ता है कि यह केवल साहित्यिक अवसर मात्र नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों का उत्सव भी था, जिसने समस्त उपस्थित जनों को पुनः स्मरण कराया कि सेवा का सार राष्ट्र और उसकी जनता के प्रति अटूट समर्पण में सन्निहित है।

'भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं एमएसएमई, विश्व व्यापार में अग्रणी बनने को तैयार'-विजेंद्र गुप्ता

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। 'एमएसएमई हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वर्तमान में यह क्षेत्र भारत के कुल निर्यात में लगभग 45% योगदान देता है। यदि उपयुक्त नीतियाँ, वैश्विक साझेदारियाँ और नवाचार को बढ़ावा मिले, तो यह योगदान 60-70% तक पहुँच सकता है। यही भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे ले जाएगा, यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में एमएसएमई ग्लोबल समिट 2025 में अपने संबोधन के दौरान कही। यह सम्मेलन स्टार इंटरनेशनल एमएसएमई फोरम द्वारा फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया तथा सर्विस एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय- 'एमएसएमई को सशक्त करना, वैश्विक स्तर पर जोड़ना' कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक के उपयोग, निर्यात रणनीतियों, महिला एवं युवा उद्यमिता तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए मंच प्रदान करता है। गुप्ता ने प्रधानमंत्री के लोकल टू ग्लोबल के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक क्रांति का घोषणापत्र है। 20 से अधिक देशों-जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं-के व्यापार प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ यह सम्मेलन भारतीय उद्यमियों को नए बाजारों तक पहुँचने, उन्नत तकनीकों को अपनाने और वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर उपलब्ध कराता है।

अध्यक्ष ने कहा-भारत की ताकत केवल बड़े उद्योगों में नहीं, बल्कि उन असंख्य छोटे सपनों में है, जिन्हें लाखों एमएसएमई उद्यमी प्रतिदिन साकार कर रहे हैं। यही छोटे सपने मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग दिखा रहे हैं। गुप्ता ने उद्यमियों से मेक इन इंडिया से आगे बढ़कर मेड फॉर द वर्ल्ड की ओर बढ़ने का आान किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार, गुणवत्ता संवर्द्धन और वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ाव ही इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी हैं। साथ ही उन्होंने महिलाओं और युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकारी नीतियों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा इस प्रकार के मंचों से मिल रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाएँ।

अपने संबोधन के अंत में अध्यक्ष ने सभी से मिलकर आगे बढ़ने का आान किया। उन्होंने कहा-आइए, हम सब मिलकर भारत के एमएसएमई को मजबूत बनाएं ताकि वे व्यापार और नवाचार में दुनिया के अग्रणी बन सकें। उद्यमशीलता, तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक मूल्यों के बल पर हम अपनी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और विकास को आगे बढ़ाने वाली शक्ति बना सकते हैं। यही रास्ता भारत को विश्वगुरु बनाएगा, जहाँ हम लचीलापन, स्थिरता और साझा समृद्धि के मूल्यों से दुनिया का मार्गदर्शन करेंगे।

सम्मेलन में अनेक देशों के प्रख्यात राजनयिकों, उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, विद्वानों और उत्साही उद्यमियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

काशी मिथिला सांस्कृतिक कोरिडोर का हो निर्माणः प्रो संजय पासवान

- संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के भगीरथ थे डा आदित्यनाथ झा
- आधुनिक संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के शिल्पी थे डा एएन झा

समारोह में गोविन्दायन पुस्तक का लोकार्पण करते हुए अतिथिगण। (छायाः एसबी)

विचार व्यक्त करते हुए प्रो संजय पासवान

दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन करते हुए अतिथिगण

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश और समपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति पद्मविभूषण डा आदित्यनाथ झा कि 114वीं जयंती समारोह प्रो. सम्पूरर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के योग साधना केंद्र में प्रो राम रामपूजन पाण्डेय की अध्यक्षता में समपन्न।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि प्रो संजय पासवान एमएलसी, प्रो रजनीश शुक्ला, प्रो राम रामपूजन पाण्डेय और आगत अतिथियों ने डा आदित्यनाथ झा के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके समारोह का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि प्रो संजय पासवान और अन्य अतिथियों को मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष निरसन कुमार झा एडवोकेट ने मिथिला संस्कृति के प्रतीक पाग, दुपट्टा और माला पहनाकर सम्मानित किया।

प्रो संजय पासवान को सम्मानित करते हुए प्रो रजनीश शुक्ला, प्रो रामपूजन पाण्डेय, गौतम झा और प्रो सुधाकर मिश्रा (छायाः एसबी)

मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए प्रो संजय पासवान ने कहा कि मिथिला और कशी के प्राचीन और प्रगाढ़ सम्बंध को देखते हुए मिथिला काशी कोरिडोर समय की मांग है। कोरिडोर के माध्यम से बौध्दिकता का आदान प्रदान होगा जिससे की मिथिला और काशी के लोग एक दूसरे के और नजदीक आयेंगे सर गंगानाथ झा के चार बेटों डा एएन झा सबसे छोटे थे, तभी इनकी माँ ने कल्पना कर लिया था कि मेरा बेटा बड़ा होकर कलेक्टर बनेगा जो कि सत्य साबित हुआ। डा झा में प्रशासनिक दक्षता कमाल कि थी, इसीलिए तत्कालीन मुख्यमंत्री समपूर्णान्द समपूर्णानन्द ने उन्हें विश्वविद्यालय का कुलपति बनायोडा एएन झा के भगीरथ प्रयास का ही कमाल था कि विश्वविद्यालय आज ऐसे आधुनिक स्वरूप में है, सही मायने में आधुनिक समपूर्णानन्द संस्कृत के शिल्पी थे डा एएन झा।

मुख्य वक्ता प्रो रजनीश शुक्ला ने कहा की आदित्यनाथ झा के जीवन में प्रथम शब्द का महत्वपूर्ण स्थान था, डा झा दिल्ली के प्रथम उपराज्यपाल, तत्कालीन भारतीय प्रशासनिक सेवा आईसीएस में समपूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया, समपूर्णान्द संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति, भारतीय प्रशासनिक अकादमी, देहरादून के प्रथम डाइरेक्टर थे और भी जीवन में बहुत से ऐसे क्षेत्र थे, जहाँ डा आदित्यनाथ झा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

समारोह कि अध्यक्षता करते हुए प्रभारी कुलपति प्रो रामपूजन पाण्डेय ने कहा कि पद्मविभूषण डा आदित्यनाथ झा ने प्रशासनिक दक्षता के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी महारत हासिल किया था, डा एएन झा कई भाषाओं के अच्छे विद्धान थे हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और मैथिली के प्रखाण्ड विद्धान थे, इन सभी भाषाओं पर इन्हें महारत हासिल था, विश्वविद्यालय के छात्रों को डा झा साहब के जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए, तभी डा झा का सपना साकार होगा। कार्यक्रम का संयोजन तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो रजनीश शुक्ला ने तथा सह संयोजन/संचालन गौतम कुमार झा, (एडवोकेट) किया, विषय स्थापना डा कमलेश झा ने स्वागत संस्था के अध्यक्ष निरसन कुमार झा (एडवोकेट) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो शैलेश मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रो शंकर मिश्र, प्रो सुधाकर मिश्रा, प्रो विजय पाण्डेय, प्रो जितेंद्र शाही, डा पीके झा डा अत्रि भारद्वाज, हरिमोहन पाठक, नटवर झा, सुधीर चौधरी, बनारस बार के महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, दीपक राय कान्हा, ओम शंकर श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश गौतम आदि लोग शामिल थे।

'दिल्ली पूरी तरह से सेफ-जोन में है', सीएम ने यमुना घाट और नियंत्रण तंत्र का किया व्यापक निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में यमुना नदी और उससे सटे क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन एवं तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। मुख्यमंत्री का दौरा असीता घाट से प्रारंभ होकर यमुना छठ घाट, डीएम ईस्ट कार्यालय, 12 नंबर रेगुलेटर और कंट्रोल रूम तक चला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और ऊपरी यमुना क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के तहत दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना में इस समय एक लाख से अधिक क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, लेकिन वह बिना अवरोध व उतनी ही गति से आगे भी बढ़ रहा है, जबकि पहले ऐसा नहीं होता था, जिसके कारण जलभराव की स्थिति बनती थी। उन्होंने जानकारी दी कि हमारी सरकार ने इस बार यमुना के जलस्तर से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से मॉनिटरिंग की है। लगातार विभागीय टीमें पानी की स्थिति, छोड़े गए पानी के डिस्चार्ज और उसके बहाव पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त-सितंबर 2023 में दिल्ली ने एक अभूतपूर्व बाढ़ का सामना किया, जब यमुना का जलस्तर 208.6 मीटर तक पहुंच गया था और कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। तब नालों की डी-सिल्टिंग और बैराजों की व्यवस्थाएँ ठीक नहीं थीं, यहां तक कि आईटीओ बैराज के गेट भी बंद और जाम पड़े थे। लेकिन इस बार पिछले छह महीनों से लगातार काम करके आईटीओ बैराज के सभी गेट पूरी तरह से खोल दिए गए हैं और नालों की डी-सिल्टिंग पूरी होने से उनकी क्षमता भी बढ़ गई है। सरकार ने हर स्तर पर पूरी तैयारी कर रखी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष मानसून से पहले ही तैयारी को एक्शन मोड में डाल दिया है। जलभराव वाले प्रमुख इलाकों की पहचान कर वहां नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही पीडब्लूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और एमसीडी जैसे विभागों ने नालों की सफाई का काम भी तेज कर दिया है। पंप हाउस की जांच हो चुकी है और मोबाइल पंप भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि थोड़ी बहुत समस्या आती भी है तो वह केवल फ्लड प्लेन क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगी, क्योंकि वहां पानी आना स्वाभाविक है। ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रशासन ने पहले ही सचेत कर दिया है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए आवश्यक इंतजाम कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शहर में कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। सभी विभाग 24 घंटे सतर्क रहकर काम कर रहे हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए राहत और बचाव कार्यों के लिए 14 अहम जगहों पर नावों की तैनाती की गई है। साथ ही यमुना का पानी मुख्य सड़कों तक न पहुंचे और ट्रैफिक प्रभावित न हो, इसके लिए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए है। साथ ही सभी रेगुलेटर्स को पूरी तरह चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि डीएम ईस्ट के कार्यालय में 'सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूम' की शुरूआत कर दी गई है। यह केंद्र अब पूरे दिल्ली के लिए एक केंद्रीय समन्वय केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है और सभी सिविक एजेंसियों के प्रतिनिधि यहां 24x7 तैनात हैं। उन्होंने कहा कि इस साल शहर में सेंट्रल कंट्रोल रूम सहित 15 वायरलेस स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं, जो यमुना के जलस्तर सहित जलभराव वाले इलाकों की हर समय निगरानी कर रहे हैं। साथ ही राहत और बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों की जांच पूरी कर ली गई है और सम्बंधित विभागों ने यमुना खादर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के पुख़्ता इंतजाम कर रखे हैं।

सम्पादकीय

'मिशन सुदर्शन चक्र'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा की जोकि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रणनीति में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सीमा-पार सैन्य झड़पों के महज तीन महीने बाद आया यह ऐलान दशार्ता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न केवल गंभीर है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए दीर्घकालिक तैयारी भी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2035 तक देश के सभी महत्त्वपूर्ण स्थल-रणनीतिक क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थल, इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाए जाएँगे। यह कवच पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित होगा और समय के साथ इसे मजबूत, विस्तारित और आधुनिक किया जाएगा। हम आपको बता दें कि मिशन सुदर्शन चक्र को इजराइल के आयरन डोम और अमेरिका के प्रस्तावित गोल्डन डोम जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली के समकक्ष माना जा रहा है। फर्क यह है कि इजराइल एक छोटा देश है जबकि भारत को बहुत बड़े क्षेत्र को सुरक्षा कवच में लेना होगा। इसके लिए बहु-स्तरीय एयर और मिसाइल डिफेंस नेटवर्क, अर्ली वॉर्निंग और ट्रैकिंग सेंसर, भूमि और समुद्र आधारित इंटरसेप्टर मिसाइलें और अंतरिक्ष संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जायेगा। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया था कि यह प्रणाली केवल शत्रु के हमलों को विफल नहीं करेगी बल्कि कई गुना ज्यादा ताकत से जवाबी कार्रवाई भी करेगी। इससे संकेत मिलता है कि भारत अपने पारंपरिक (गैर-परमाणु) शस्त्रागार में और विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत 500 किमी रेंज की प्रलय क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल, 1000 किमी रेंज की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल और ब्रह्मोस की मारक क्षमता 450 किमी से बढ़ाकर 800 किमी करने जैसे ठोस कदम उठाये जा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस प्रणाली ने तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों को विफल किया था। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के अनुसार, रूसी मूल की र-400 प्रणाली ने पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू विमान और एक विशेष मिशन विमान (300 किमी दूरी से) मार गिराया था। ये उपलब्धियाँ मिशन सुदर्शन चक्र की दिशा में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली हैं। बताया जा रहा है कि इस मिशन को डीआरडीओ के महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट कुशा से भी जोड़ा जा रहा है। यह प्रणाली 150, 250 और 350 किमी रेंज तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद सकेगी। इसका पहला चरण 2028-29 तक तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही, स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली भी तैनाती के लिए तैयार की जा सकती है जो 2000 किमी तक की दुश्मन मिसाइलों को धरती के अंदर (एंडो) और बाहर (एक्सो) दोनों परतों में नष्ट करने की क्षमता रखती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष भारत ने 5000 किमी रेंज वाली परमाणु-सक्षम दुश्मन मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर सफल परीक्षण किया था। देखा जाये तो यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत की परियोजनाओं को नष्ट करने और परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे थे। दूसरी ओर, चीन लगातार अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। ऐसे माहौल में मिशन सुदर्शन चक्र केवल भारत के लिए सुरक्षा कवच ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है कि भारत अब अपनी सीमाओं और नागरिक ढाँचों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः आत्मनिर्भर और आक्रामक रक्षा नीति की ओर बढ़ रहा है। बहरहाल, मिशन सुदर्शन चक्र भारत की रक्षा रणनीति में एक निर्णायक कदम है। यह न केवल जनता में सुरक्षा का भरोसा जगाता है, बल्कि दुनिया को यह संकेत भी देता है कि भारत भविष्य के युद्ध परिदृश्यों के लिए तैयार है। जिस प्रकार महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र शत्रु के लिए अजेय था, उसी प्रकार यह मिशन आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का अटूट प्रतीक बन सकता है।

जयंती

जसवंत सिंह रावत

जन्म-19 अगस्त, 1941; शहादत-17 नवंबर, 1962) भारतीय थल सेना के जांबाज सैनिकों में से एक थे। उत्तराखण्ड की पावन भूमि एक ओर धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान की स्थली रही है, वहीं यह भूमि अन्यानेक वीर एवं वीरांगनाओं की जन्म स्थली भी रही है। इस कड़ी में सूबेदार बलभद्र सिंह नेगी, 'विक्टोरिया क्रास' विजेता सूबेदार दरबान सिंह, 'विक्टोरिया क्रास' विजेता रायफलमैन गब्बर सिंह नेगी, कर्नल बुद्धी सिंह रावत, मेजर हर्षवर्धन बहुगुणा आदि के नाम अमर हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध में 72 घंटे तक अकेले बॉर्डर पर लड़कर शहीद होने वाले भारतीय सैनिक जसवंत सिंह रावत आज भी अमर हैं। 24 घंटे उनकी सेवा में सेना के पांच जवान लगे रहते हैं। यही नहीं, रोजाना उनके जूतों पर पॉलिश की जाती है और कपड़े प्रेस होते हैं।

पुण्यतिथि

बदरुद्दीन तैयब जी

जन्म: 8 अक्टूबर, 1844; मृत्यु: 19 अगस्त, 1909) अपने समय के प्रसिद्ध वकील, न्यायाधीश और कांग्रेस के नेता थे। वे धर्मनिरपेक्ष समाज की कल्पना करते थे। अपनी निष्पक्षता के लिए भी उनकी बड़ी ख्याति थी। बाद में जब उनकी नियुक्ति 'मुंबई हाईकोर्ट' के न्यायाधीश के पद पर हुई, तो बाल गंगाधर तिलक पर सरकार द्वारा चलाये गये राजद्रोह के मुकदमे में तिलक को जमानत पर छोड़ने का साहसिक कार्य तैयब जी ने ही किया था।

कल मिलेंगे

टीचर-अगर कोई स्कूल के सामने बम रख जाए तो तुम क्या करोगे?
छात्र-एक-दो घंटे देखेंगे, अगर कोई ले जाता है, तो ठीक है, वरना स्टाफ रूम में रख देंगे.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ किए जाने के बाद उभरे विपक्षी आलोचनात्मक स्वरों के सियासी मायने समझिए

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है

-कमलेश पांडेय

देश-दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की, तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था, बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया। वहीं, जो कांग्रेस मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघ/समाजवादियों के बढ़ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी।

यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया। वहीं, कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई। इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं। पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफ की। चूंकि पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था, लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफ इस तरह से नहीं की थी। जबकि पीएम ने खुलेआम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है।

यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग-अलग मौकों पर बोले भी और इजकी जमकर सराहना की। इसी साल 30 मार्च को पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार संघ हेडक्वॉर्टर नागपुर, महाराष्ट्र भी गए। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। उससे पहले के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग इंटरव्यू में संघ के काम काज की भरपूर तारीफ भी की, ताकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बचकाना बयानों से जो दूरियां पैदा हुई और जनमानस में गलत संदेश गया उसकी भरपाई हो सके।

वहीं, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का नाम लेने को संवैधानिक भावना का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने दावा किया है कि 4 जून 2024 के बाद से पीएम मोदी निर्णायक रूप से कमजोर पड़ गए हैं और 75 साल की उम्र 18 सितंबर 2025 को बीतने के बाद अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कृपा पर निर्भर है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से आरएसएस का नाम लेना एक संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन है। उन्होंने इसे उनके 75वें जन्मदिन से पहले संघ को खुश करने की हताश कोशिश बताया है। हालांकि, कांग्रेस की इस छिछली राजनीतिक टिप्पणी पर सियासी गलियारों में यही चर्चा है कि गुड़ खाएं लेकिन गुलगुले से परहेज। यानी कि 2014 से ही आरएसएस के पूर्व प्रचारक भाजपा में आकर उसके मार्गदर्शन से देश चला रहे हैं, नीतियां बदल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने नाम ले लिया तो संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन होगा। सुलगता सवाल है कि क्या ऐसा उल्लंघन तब नहीं हुआ जब 10 जनपथ में बैठकर विदेशी रणनीतिकार डॉ मनमोहन सिंह की नकेल अपने हाथ में रखे हुए थे और उलजुलूल बयान तक दिलवा देते थे? उन्हें खुद आत्मचिंतन करना चाहिए। रही बात समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तो उन्होंने शुक्रवार को अप्रत्यक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे, ताकि 'भारत' को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा सके। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने आरएसएस का नाम लिए बिना कहा, ये संघी साथियों का समूह...मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि बीजेपी के गठन के बाद पार्टी प्रमुख बने व्यक्ति ने पहले अधिवेशन में यह निर्णय लिया गया था कि पार्टी की राजनीतिक विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होगी।

फिर अखिलेश यादव बोले, 100 साल पूरे होने पर उन्हें अंग्रेजों को धन्यवाद देना चाहिए। क्योंकि हमने सुना है और इतिहासकारों ने लिखा है कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे ताकि भारत को धार्मिक आधार पर बांट सके, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई पैदा की जा सके। इसलिए संघी साथियों, जिनकी पहली विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष है, उन्हें इसे याद रखना चाहिए। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अखिलेश यादव अंग्रेजों को याद करते समय सेफ्टी वॉल्व के रुप में एक ब्रिटिशर्स द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस को स्मरण करना भूल गए, जिसकी सियासी बैशाखी पाकर मृतप्राय हो चली समाजवादी पार्टी को उन्होंने जिंदा किया।

चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, उन्हें आरएसएस की आलोचना से पहले खुद के गिरेबां में झाँककर देख लेना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आरएसएस का गठन उसी व्यक्ति ने किया, जिसने कभी कांग्रेस सेवा दल को अपनी सेवाएं दी थी। यानी कि उससे अलग होकर उन्होंने तब ही जता दिया था कि कांग्रेस का भविष्य अंधकारमय है, लेकिन उसके साथ ही भारत का भविष्य भी वैसा ही न हो जाए, इसलिए उन्होंने आरएसएस का गठन किया। आज जब वह और उसका मुखौटा राजनीतिक संगठन भाजपा शीर्ष पर है, तो कांग्रेस कहाँ है? क्यों है? आत्ममंथन का विषय है। रही बात समाजवादी पार्टी की तो उसे पता होना चाहिए कि कांग्रेस को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी के डीएनए में समाजवादी व राष्ट्रवादी एक साथ थे। 1989 में भी उन्होंने एक साथ रहकर कांग्रेस को पुनः अपदस्थ किया। लेकिन फर्जी धर्मनिरपेक्षता और घोर जातिवाद-परिवारवाद का सियासी भूत जब उनलोगों पर सवार हो गया, तब आरएसएस के निर्देश पर ही भाजपा उनसे अलग हुई और मौजूदा बुलंदियां हासिल की।

मेरा कांग्रेस और सपा को विनम्र सुझाव है कि आरएसएस को समझने के लिए उसकी प्रातःकालीन शाखाओं में जाएं और वहां पर चल रही व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्रनिर्माण की निःस्वार्थ कोशिशों को समझें। फिर खुद से पूछें कि क्या कांग्रेस-सपा ऐसी जनमुहिम नहीं पैदा कर सकती? यदि हां, तो फिर सकारात्मक पहल अविलंब शुरू करें। राजद प्रमुख व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा गठित डीएसएस का हश्र सामने है।

फिर भी आपलोगों को अपना व्यक्तिगत अनुभव हासिल कर लेना चाहिए। तभी आपकी समझ में आएगा कि जनसहयोग से आरएसएस ने वह कर दिखाया है, जो सत्ता के तमाम नंगा नाचों से कांग्रेस-क्षेत्रीय दल हासिल नहीं कर पाए। यही आरएसएस-भाजपा की ताकत है। उसके मुकाबिल खड़े होने के लिए अब वहीं से शुरूआत करनी होगी, अन्यथा राजनीतिक बियावान में भटकते रहिए।

स्पष्ट है कि यदि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का जिक्र कर पहली बार लाल किले से इस संगठन की जो तारीफ की है, वह बहुत कम है। क्योंकि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है जो देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। ऐसा इसलिए कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन इसकी अमिट पहचान रहे हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'ड्रोन लुटेरों' से फैली दहशत की हकीकत क्या?

दहशत के चलते ग्रामीण पूरी-पूरी रात अपनी छतों पर बल्ब और टॉर्च जलाकर बैठे रहते हैं। जुगनुओं की रौशनी से भी चिल्ला पुकार मचने लगता है। सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। माहौल जैसे-जैसे बिगड़ना तेज हुआ, तो राज्य सरकार का ध्यान एकाएक उस ओर गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई

-डॉ. रमेश ठाकुर

ड्रोन गिरोह की अफवाहों ने शांति-व्यवस्था में खलबली मचा रखी है। विशेषकर ग्रामीणों में, जहां दहशत की स्थिति बनी हुई है। ड्रोन चारों के भय से लोग सारी-सारी रात जगे रहते हैं। प्रभावित दो-तीन राज्यों में करीब महीने भर से ड्रोन चोरों के भय से लोग इतने भयभीत हैं कि वह रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग ड्रोन चोरों को आसमानी चोर कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फीट उंचाई पर मंहराते रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पेड़-पौधों के पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। देखा जाए तो देहात क्षेत्रों में ड्रोन चोरों की अफवाहों का बाजार काफी समय से गर्म है। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड़ पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफसर भी ग्रांउड जीरो पर उतरे हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस ने जागरुकता अभियान भी छेड़ रखा है। दरअसल, अफवाह लोगों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनापशनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं जिससे स्थिति और पैनिक हो रही है। हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है।

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। वैसे, पिछले दो सालों से स्वामित्व योजना के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। 92 फीसदी कार्य ड्रोन मैपिंग से पूरा हो चुका है जिसमें 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल ये भी उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई मुकम्मल रूप से बाहर नहीं निकल पाई। जबकि, प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक ना करना चाहता हो? राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नही? हालांकि ऐसे नाना-प्रकार के कयासों की मंड़ियां सजी हुई हैं। सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तकरीबन जिलों में इस समय ड्रोन लूटेरों की ही चचाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्यप्रदेश में भी आधुनिक चोरों से जुड़ी अजीबोगरीब अफवाहें फैल गई हैं। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाओं को बेशक अफवाह बताई जा रही हों। पर, ग्रामीण मानने को राजी नहीं? वह ड्रोन चोर या आसमानी चोर ही माने बैठे हैं। बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 घटनाएं घटी हैं।

गौरतलब है कि अफवाहों के गर्भ से निकली ड्रोन चोरी की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। गत दिनों बिजनौर के कोतवाली क्षेत्र में रात के वक्त एक खूनी घटना घटी जिसमें एक औरत का गला चाकू से रेतकर उसे जहर का इंजेक्शन देने का प्रयास हुआ। गनीमत ये रही कि उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। सुबह पुलिस ने छानबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो पता चला महिला पर हमला ड्रोन चोरों ने नहीं, बल्कि पड़ोसी ने किया जिनसे उनका पुराना जमीन विवाद चल रहा है। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो सामात ही आई हुई है। बिलावजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसे भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दशहत और अफवाहें इस कदर देहतों में व्याप्त है कि आसमान में चमकती रौशनी को भी ड्रोन समझ कर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

दहशत के चलते ग्रामीण पूरी-पूरी रात अपनी छतों पर बल्ब और टॉर्च जलाकर बैठे रहते हैं। जुगनुओं की रौशनी से भी चिल्ला पुकार मचने लगता है। सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। माहौल जैसे-जैसे बिगड़ना तेज हुआ, तो राज्य सरकार का ध्यान एकाएक उस ओर गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। हालांकि, उससे पहले ही अधिकारियों ने शासन को ड्रोन्स के संबंध में कुछ उत्पाती लोग उन्माद फैलाने की फिराक में होना दर्शा दिया था। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के जरिए डर पैदा करने या गलत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाही की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन का उड़ना लगातार जारी है। दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में एक और उच्च-स्तरीय कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करने को लेकर बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाही का आदेश पारित हुआ। जिसके उलघन में कुछ यूटयूबर और कैटरिंग वाले पकड़े गए। फिलहाल, पुलिस की पूछताछ में उनकी ड्रोन हरकतों में संलिप्ता नहीं मिली।

गौतललब है, भारत के विभिन्न प्रदेशों में समय-समय पर किस्म-किस्म के चोर गिरोहों से अफवाहें फैलती रही हैं। चोटी कटवा, कच्छा-बनिया गिरोह, बाबा गिरोह, तलवारधारी गिरोह जैसे तमाम चोरों के गिरोह की सूचनाएं पुर्व में सुनने को मिलती रहीं। मौजूदा ड्रोन से जुड़ी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तराखंड और यूपी सरकार ने बकायदा पुलिस हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जहां रात्रि के वक्त रोजाना सैकड़ों कॉल्स ड्रोन देखे जाने के संबंध में आ रही हैं। 7900 कॉल्स को पुलिस ने अभी तक रिकॉर्ड किया है जिसकी सत्यता पूरी तरह उन्माद से प्रेरित ही पाई गई। ड्रोन देखे जाने की सूचनाएं ज्यादातर अफवाहें ही साबित हो रही हैं जिनका किसी गिरोह से कोई संबंध फिलहाल दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता? प्रशासन को ड्रोन लुटेरों से फैली अफवाहों पर तुरंत अंकुश लगाना होगा, नहीं तो ग्रामीण ड्रोन गिरोह के सदस्यों के शक में बेकसूर लोगों को निशाना बनाते रहेंगे। बरेली में पिछले शनिवार को सबसे दर्दनाक घटना हुई, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति को ड्रोन गिरोह का सदस्य समझकर लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत के डर से ईरान सीमा में जा छुपी मुनीर की आर्मी!

(एजेन्सी)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान कितनी बुरी तरीके से हारा है। इसका सबूत पहली बार तस्वीरों के जरिए सामने आई है। कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई है जो ये दशार्ती है कि कैसे पाकिस्तान ने मुंह की खाई है। जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा था तो पाकिस्तान की सेना ईरान के शरण में जा पहुंची थी। मीडिया रिपोर्ट में कुछ सैटेलाइट तस्वीरें जारी की गई हैं और बताया गया कि पाकिस्तान की तीनों सेनाएं किस कदर डर गई थीं और उनके अंदर इतना खौफ आ गया था, जब भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया जा रहा था। मिसाइलें दागी जा रही थी और उनके आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया जा रहा था। आतंकियों को कुचला जा रहा था, उस दौरान वहां की सेना या तो बंकरों में छुप रहे थे या फिर ऐसी जगह जा रहे थे कि वो भारतीय टारगेट से बच पाएं और खुद को सुरक्षित रख पाएं। सैटेलाइट तस्वीरों में बताया गया कि 6 और 7 मई की दरम्यानी रात को, भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसके बाद नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के डीजीएमओ को सूचित किया कि उसका मिशन पूरा हो गया है। हालाँकि, पाकिस्तानी नेतृत्व ने कड़ी जवाबी कार्रवाई की बात कही। लेकिन इंडिया टुडे की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस टीम द्वारा विश्लेषित कराची और ग्वादर बंदरगाहों की उपग्रह तस्वीरों से पता चलता है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की नौसेना का रुख कहीं ज्यादा रक्षात्मक था। सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार पाकिस्तानी नौसेना (पीएन) के युद्धपोतों को कराची स्थित अपने नौसैनिक गोदी से हटाकर वाणिज्यिक टर्मिनलों पर खड़ा कर दिया गया था। इस बीच, अन्य युद्धपोत भारत की ओर पूर्व की ओर जाने के बजाय, ईरानी सीमा से बमुश्किल 100 किलोमीटर दूर, अपने पश्चिमी बंदरगाह ग्वादर में शरण लेते दिखाई दिए।

रूस की फैक्ट्री में बड़ा धमाका, 20 लोगों की मौत

(एजेन्सी)।

रूस के रियाजान क्षेत्र में पिछले हफ़्ते एक उत्पादन संयंत्र में हुए एक अज्ञात विस्फोट में मरने वालों की संख्या कम से कम 20 हो गई है और 134 अन्य घायल हुए हैं। मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में स्थित रियाजान क्षेत्र के गवर्नर पावेल मालकोव ने शुक्रवार को कहा कि यह घटना कारखाने की एक कार्यशाला में आग लगने के कारण हुई। लेकिन रूसी मीडिया रिपोर्टों से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस कारण लगी या कारखाने में वास्तव में क्या उत्पादन हो रहा था। आधिकारिक रूसी सूत्रों ने घायलों की तलाश और उपचार के प्रयासों के अलावा कोई विवरण नहीं दिया। स्थानीय आपातकालीन सेवा मुख्यालय ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि 18 अगस्त तक आपातकालीन घटना के परिणामस्वरूप 20 लोगों की मौत हो गई। 134 घायल हैं, जिनमें से 31 मरीज रियाजान और मॉस्को के अस्पतालों में हैं, जबकि 103 मरीजों का बा रोगी उपचार चल रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने घोषणा की है कि रियाजान क्षेत्र फैक्टरी विस्फोट में मारे गए लोगों के लिए एक दिन का शोक मनाएगा। रियाजान के गवर्नर पावेल मालकोव ने टेलीग्राम पर कहा कि पूरे क्षेत्र में झंडे झुका दिए जाएँगे। यह विस्फोट यूक्रेन में रूस के युद्ध के बीच हुआ है जो तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा है। शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत के लिए अलास्का में अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की।

अमीषा पटेल और अनिल शर्मा के बीच हुई सुलह? गदर 3 की स्क्रिप्ट तैयार

(एजेन्सी)।

गदर 2 की रिलीज के दौरान सार्वजनिक रूप से नाराज हुए अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच सुलह हो गई है। यह मतभेद तब पैदा हुआ जब अमीषा ने बिना उनकी जानकारी के फिल्म का क्लाइमेक्स बदले जाने पर खुद को 'ठगा हुआ' महसूस किया। उन्हें सनी देओल अभिनीत इस फिल्म में एक बड़े रोल की उम्मीद थी। इसके जवाब में, अनिल ने एक इंटरव्यू में उन्हें 'मूडी' कहा था, लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वह अब भी उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। गदर 2 की रिलीज के दौरान फिल्म निमार्ता अनिल शर्मा और अभिनेत्री अमीषा पटेल के बीच शुरू हुआ तूफानी अध्याय समय के साथ धीरे-धीरे सुलझता दिख रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके समीकरण में सुधार हुआ है, अनिल शर्मा ने न्यूज 18 शोशा को बताया "अमीषा के साथ मेरा समीकरण अब बहुत अच्छा है। वक्त के साथ-साथ सब चीजें सही हो जाती हैं। अभी सब बढ़िया है! हालाँकि, रिपोर्ट्स की मानें तो अमीषा पटेल ने एक और शर्त रखी है - वह सकीना का किरदार तभी निभाएँगी जब तारा सिंह के साथ उनकी प्रेम कहानी कहानी का केंद्रबिंदु बनी रहे। इस बारे में पूछे जाने पर, अनिल ने जवाब दिया, "सकीना और तारा गदर का अभिन्न अंग हैं। लेकिन हम गदर 3 की रिलीज से पहले उनके किरदार के बारे में और बात करेंगे।" इस बीच, अमीषा इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाने से नहीं हिचकिचाईं। एक्स पर एक चैट सेशन में, उन्होंने स्वीकार किया कि उनके बीच 'रचनात्मक मतभेद' हैं और स्पष्ट किया कि वह गदर 3 के लिए तभी प्रतिबद्ध होंगी जब वह स्क्रिप्ट को लेकर 'बेहद उत्साहित' महसूस करेंगी, ठीक वैसे ही जैसे वह मूल गदरः एक प्रेम कथा के लिए थीं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अमीषा पटेल गदर 3 का हिस्सा होंगी, खासकर तारा और सकीना की प्रेम कहानी को लेकर उनकी स्थिति को देखते हुए, तो अनिल ने जवाब दिया, "सकीना और तारा गदर का अभिन्न अंग हैं।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में तेजी

(एजेन्सी)।

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरूआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 1,021.93 अंक की बढ़त के साथ 81,619.59 अंक पर और निफ्टी 322.2 अंक चढ़कर 24,953.50 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से मारुति, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट दर्ज किया गया। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत फिसलकर 65.82 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,926.76 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुद्रा एवं शेयर बाजार बंद थे।

सैंटोस की करारी हार से टूटे स्टार फुटबॉलर नेमार

(एजेन्सी)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलोगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरूआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल किए। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोल ने बेहतरी स्कोरलाइन को और मजबूत किया। नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया। इस दौरान नेमार ने कहा कि, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। फैंस को विरोध करने का पूरा अधिकार है जाहिर है बिना हिंसा के... लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नेमार ने आगे कहा कि, ये बेहद शर्मिंदगी का एहसास है। मैंने जिंदगी में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। बदकिस्मती से ऐसा हुआ। आंसू गुस्से से थे। बदकिस्मती से मैं किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता। खैर ये पूरी तरह से बकवास था। यही सच्चाई है। जले पर नमक छिड़कते हुए नेमार को इस सत्र का तीसरा येलो कार्ड भी मिला।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक

■ सभी विभागों की प्रगति की हुई समीक्षा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में सोमवार को जिलाधिकारी श्री नवीन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान न्यायालय संबंधी लंबित वादों की प्रगति, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम की क्रियान्वयन स्थिति, ई-कम्प्लायंस डैशबोर्ड की अद्यतन रिपोर्ट, जिला जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की स्थिति, विभिन्न विभागीय योजनाओं और लक्ष्यों की प्रगति, अधिकारियों को दिए गए दिशा-निर्देश की समीक्षा की गयी।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन, जन समस्याओं के त्वरित समाधान तथा योजनाओं की समयबद्ध पूर्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्त्ता रविकांत सिन्हा, विशेष कार्य पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी आपदा प्रबंधन विभाग नागमणि वर्मा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी के अलावे अन्य संबंधित पदाधिकारी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने सुखबीर बादल को चुनौती दी-झूठी उपलब्धियों का बखान करने के बजाय बरगाड़ी कांड और नशे से हुई मौतों की जिम्मेदारी लें

■ 'कांग्रेस और अकाली दल आपसी मिलीभगत के शिकार'

संजना भारती संवाददाता

चमकौर साहिब (रूपनगर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल को चुनौती देते हुए कहा कि वे झूठी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने के बजाय लोगों को स्पष्ट करें कि उनकी सरकार के दौरान बरगाड़ी कांड और नशे के कारण हजारों युवाओं की हुई मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा।

यहां चमकौर साहिब विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं को जनता को समर्पित करने के बाद संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुखबीर बादल अक्सर दावा करते हैं कि उनकी सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर विकास हुआ, लेकिन जब बरगाड़ी गोलीकांड या नशे की महामारी का मुद्दा उठता है, तो वे चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा कि नशे ने पंजाब के युवाओं की नस्लकुशी की है, जो अकालियों के अराजक वाले लंबे शासन की असली तस्वीर पेश करता है। मान ने तंज कसते हुए कहा, सत्ता में रहते हुए बादलों ने सिर्फ अपना कारोबार बढ़ाया, जबकि पंजाब और जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। 2007 से 2017 तक का दौर पंजाब का सबसे काला दौर था, जब परिवहन, केबल, रेत, नशा और अन्य माफियाओं का एकाधिकार था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी से छिपा नहीं है कि अकाली शासन के दौरान नशे के सौदागरों को राजनीतिक सरपरस्ती मिली, जिससे पंजाब में नशे का फैलाव हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन जरनैलों पर कोई रहम नहीं करेगी जिन्होंने युवाओं को नशे की आग में झोंक कर पीढ़ी बर्बाद की। मान ने कहा कि ये नेता जहां नशा तस्करों की पैरवी करते थे, वहीं अपने सरकारी वाहनों में नशा सप्लाई भी करते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गैर-कानूनी तरीकों से दौलत इकट्ठा करने वाले नेता

आज जेल में भी सुविधाएं मांग रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नशे के कारण युवाओं के घरों में चिता सजाने वाले किसी भी विशेष सुविधा के हकदार नहीं, क्योंकि वे अपने पापों की सजा भुगत रहे हैं। मान ने कहा कि जांच में सामने आया है कि इन नेताओं ने नशे के कारोबार से भारी संपत्ति अर्जित की है और अब इन्हें सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा।

नाभा जेल में बंद एक पूर्व अकाली नेता का समर्थन करने वाले पारंपरिक दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बेहद हैरानी की बात है कि कांग्रेस नेता चरनजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा, सुखपाल सिंह खैहरा, भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह और रवनीत सिंह बिट्टू ने खुलेआम उसका पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि इससे इन पारंपरिक पार्टियों की मिलीभगत उजागर हुई है। मान ने दोबारा चुनौती देते हुए कहा कि ये नेता पंजाब के लोगों को साफ करें कि वे नशा तस्करों के पक्ष में हैं या खिलाफ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक दलों ने सरकारी खजाने की अंधाधुंध लूट की, जिस कारण पंजाबियों ने इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, चरनजीत सिंह चन्नी, सुखबीर सिंह बादल, बिक्रम सिंह मजीठिया और कई बड़े नेता चुनाव में हार का सामना कर चुके हैं। अब ये नेता बौखलाहट में सत्ता के लिए छटपटा रहे हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब तक 55,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दे चुकी है और इनमें से किसी भी नियुक्ति को अब तक अदालत में चुनौती नहीं दी गई। यह सरकार के लिए गर्व की बात है कि युवाओं को पूरी योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गईं। उन्होंने कहा कि पारदर्शी भर्ती ने युवाओं का विश्वास बढ़ाया है, जिससे उन्होंने विदेश जाने का विचार छोड़कर पंजाब में सरकारी नौकरियों की तैयारी शुरू कर दी है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि पंजाब के 90 प्रतिशत घरों को शून्य बिजली बिल मिल रहे हैं, जिससे लोगों को आर्थिक राहत मिली है। किसानों को धान की फसल के लिए निर्बाध बिजली मिल रही है और उन्हें कोई दिक्कत नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर वर्ग का ख्याल रखा है, जिससे पंजाब तरक्की कर रहा है।

सड़क सुरक्षा बल (एस एस एफ) का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके गठन के बाद सैकड़ों जानें बचाई गई हैं। सांसद रहते हुए मिले आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में हर साल 5,000 से अधिक सड़क हादसों में मौतें होती थीं। उन्होंने कहा कि एस एस एफ के गठन से ऐसी मौतों में 48 प्रतिशत कमी आई है, जो अन्य राज्यों के लिए भी मिसाल है। यह फोर्स विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों (महिलाओं सहित) से बनी है और 144 आधुनिक वाहनों से लैस है। इस पहल की सराहना अन्य राज्यों और केंद्र सरकार ने भी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों को स्कूल ऑफ एमिनेंस में बदला जा रहा है और यह गर्व की बात है कि पंजाब ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे (एन ए एस) में केरल को पछाड़कर पहला स्थान पाया है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों के 848 छात्रों ने नीट परीक्षा पास की, 265 छात्रों ने जे ई ई मेन्स और 45 छात्रों ने जे ई ई एडवांस्ड परीक्षा पास की है। मान ने कहा कि कोई भी कार्ड (नीला या पीला) गरीबी या सामाजिक बुराइयों को खत्म नहीं कर सकता, केवल शिक्षा ही ऐसा हथियार है जो लोगों का जीवन स्तर सुधार सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चमकौर साहिब अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 30 से बढ़ाकर 50 कर दी गई है और इसे सब-डिवीजनल अस्पताल का दर्जा दे दिया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या 5 से बढ़ाकर 10 की गई है ताकि लोग बेहतर इलाज पा सकें। पहले अस्पताल में केवल 2 मेडिकल ऑफिसर (जनरल) थे, अब 4 होंगे। उन्होंने कहा कि पहले केवल एक ऑपरेशन थिएटर था, अब दूसरा भी बना दिया गया है। अस्पताल से 5 आम आदमी क्लिनिक और 20 आयुष्मान आरोग्य केंद्र भी जुड़े हैं। आज स्टेम मोबाइल बस को भी हरी झंडी दी गई, जो स्कूलों में जाकर विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के कॉन्सेप्ट्स को स्पष्ट करेगी।

मान ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह बस बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ाएगी और 6वीं से 12वीं कक्षा के छात्र विज्ञान व गणित पर इंटरैक्टिव सत्रों में अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। वे प्रयोग भी कर पाएंगे, जिससे उनमें जिज्ञासा बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में उभरते खिलाड़ियों को खेल किटें भी वितरित कीं और मोरिंडा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के नवीनीकरण की शुरूआत की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और अन्य भी उपस्थित थे।

चेरिया बरियारपुर में चला सुशासन का सार, आपके द्वार कार्यक्रम

एसबी ब्यूरो

चेरिया बरियारपुर/बेगूसराय। 141 चेरिया बरियारपुर विधानसभा में "सुशासन का सार,आपके द्वार"कार्यक्रम के दुसरे दिन चेरिया बरियारपुर प्रखंड के गोपालपुर, रामपुर, वसही में घर-घर जाकर माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बुकलेट एवं स्टीकर के माध्यम से आम जनता के बीच दिया गया। एक करोड़ 67 लाख उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त 400 की जगह प्रतिमाह,1100 रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सात निश्चय-2 के तहत घोषित 20 लाख नौकरी एवं रोजगार की जगह 50 लाख लोगों को नौकरी और रोजगार देने के बाद अब अगले 5 साल में युवाओं के लिए एक करोड़ नौकरी और रोजगार की व्यवस्था की जाएगी। आम लोगों ने भी माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "नहीं थमेगी विकास की रफ्तार, फिर से लाएंगे एनडीए सरकार "इस कार्यक्रम जिला संगठन प्रभारी शिवनंदन सिह, जिला अध्यक्ष रूदल राय, चेरिया बरियारपुर विधानसभा प्रभारी सुबोध पटेल, पूर्व मंत्री सह जदयू नेत्री मंजू वर्मा, ऑथोर्पेडिक सर्जन सह प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति सदस्य डॉ. प्रवीण कुमार, रोसड़ा विधानसभा प्रभारी विपिन कुमार मिश्रा, तकनीकी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश राय, प्रखंड अध्यक्ष चेरिया बरियारपुर मो. जियाउल्लाह, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव विकास कुशवाहा मीडिया सेल की प्रदेश महासचिव अर्चना कुमारी, जिला उपाध्यक्ष व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ प्रकोष्ठ धर्मवीर कुमार, जदयू नेता अभिषेक आनंद उर्फ न्यूटन, महिला प्रखंड अध्यक्ष कविता देवी, बीएलए टू मंजीत साह, प्रखंड उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा सहित प्रखंड और पंचायत के प्रमुख साथी एवं बीएलए टू उपस्थित थे।

बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता–डॉ. बलजीत कौर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य के बुजुर्गों की भलाई और संपत्ति की सुरक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 लागू किया गया है। यदि कोई भी व्यक्ति बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार या मारपीट करता है अथवा संतानें अपने माता-पिता यानी बुजुर्गों की संपत्ति हड़पने का प्रयास करती हैं, तो ऐसे दोषियों के खिलाफ इस अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई और सजा का प्रावधान है, ताकि बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सामाजिक सुरक्षा स्त्री और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि खन्ना शहर निवासी वरिष्ठ नागरिक अविनाश चंद्र खन्ना द्वारा अपने पुत्र और बहू के विरुद्ध सामाजिक सुरक्षा विभाग को दी गई शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए और मामले को गंभीरता से देखते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उनके आदेशों पर जिला प्रशासन लुधियाना और उपमंडल मजिस्ट्रेट खन्ना ने संयुक्त प्रयास से मामले का निपटारा किया।

मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि जिला सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, लुधियाना ने पुलिस विभाग के सहयोग से पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर दोनों पक्षों को सुना। पुत्र और बहू को सीनियर सिटिजन एक्ट 2007 की कानूनी धाराओं से अवगत करवाया गया। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और भविष्य में माता-पिता के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने का भरोसा दिया। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। हमारे बुजुर्ग हमारी शान हैं। उनके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार करने वाले को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

करनाल की बेटी ऋषिता डांग ने ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जीता रजत पदक, किया जिले का नाम रोशन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। खेल जगत में करनाल की प्रतिभाएं लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में करनाल निवासी ऋषिता डांग ने सिरसा में आयोजित द्वितीय हरियाणा राज्य सब जूनियर एवं सीनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता 15 से 18 अगस्त तक चली, जिसमें पूरे हरियाणा से 250 से अधिक प्रतिभाशाली एथलीटों ने हिस्सा लिया।

ऋषिता वर्तमान में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में बीए तृतीय वर्ष (मीडिया एवं पब्लिक अफेयर्स) की छात्रा हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में उनकी लगन और मेहनत इस उपलब्धि का मुख्य कारण रही। ताइक्वांडो में रुचि रखने वाली ऋषिता ने कम समय में ही अपनी अलग पहचान बनाई है।

इंडिया ताइक्वांडो से संबद्ध हरियाणा ताइक्वांडो स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव विनोद सैनी, चैंपियंस अकादमी ऑफ ताइक्वांडो के निदेशक कोच मनीष कुमार और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी के खेल समन्वयक विवेक सैन ने ऋषिता की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में ऋषिता राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी करनाल और हरियाणा का नाम रोशन करेंगी। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए पूरे जोश के साथ मुकाबला किया। इसी बीच ऋषिता ने अपने शानदार खेल कौशल और दृढ़ संकल्प से रजत पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि करनाल की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

ऋषिता की सफलता ने न केवल उनके परिवार को गर्व का अनुभव कराया, बल्कि पूरे करनाल जिले को गौरवान्वित किया है।

स्थानीय खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों ने भी ऋषिता को बधाई दी और उन्हें अपना आदर्श मानते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा ली।

उत्तराखंड सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रयास कर रही है: मुख्यमंत्री धामी

एसबी संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि जनता को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यहां आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तीकरण अभियान में 220 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हम प्रत्येक जिले में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 11 लाख से अधिक मरीजों को अब तक 21 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की जा चुकी है, जबकि श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेलीकॉप्टर के माध्यम से भी स्वास्थ्य

सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने इस संबंध में कहा कि हाल में धराली आपदा के दौरान यह देखने को भी मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। उन्होंने नियुक्ति पत्र पाने वाले चिकित्सकों से बेहतर इलाज के साथ ही मरीजों से मधुर व्यवहार करने, सेवा भाव और समर्पण से काम करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा, आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

बिजली उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक 20 अगस्त को: एसई सोमबीर भालोठिया

एसबी संवाददाता

कैथल। उत्तर हरियाणा वितरण बिजली वितरण निगम कैथल के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक 20 अगस्त को यूएचबीवीएन कार्यालय कैथल के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित होगी। जिसकी अध्यक्षता उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम पंचकूला के अध्यक्ष करेंगे। यह बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में बिजली संबंधित वह समस्याएं, जिनका स्थानीय अधिकारियों एसडीओ और एक्सईएन से मिलने उपरांत समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है, वे उपभोक्ता अपनी बिजली संबंधी समस्याएं फोर्म के समक्ष रखकर समाधान करवा सकते हैं।

राज्य की 100 प्रतिशत जनसंख्या को पीने योग्य पानी मुहैया करवाने के लिए पंजाब सरकार प्रतिबद्ध: कैबिनेट मंत्री

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/गुरदासपुर। पंजाब के जल सप्लाई और सेनिटेशन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां द्वारा आज विधान सभा क्षेत्र डेरा बाबा नानक के गाँव नाहरपुर और नारोवाली में 1.11 करोड़ रुपए की लागत से बनी नई जल सप्लाई स्कीमों का उद्घाटन किया गया। उनके साथ विधान सभा क्षेत्र डेरा बाबा नानक के विधायक स. गुरदीप सिंह रंधावा, आप के जिला प्रधान और जिला योजना कमेटी गुरदासपुर के नव-नियुक्त चेयरमैन श्री जोबन रंधावा भी मौजूद थे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने दोनों जल स्कीमों में पौधे भी लगाए। इन दोनों जल सप्लाई स्कीमों का लोकार्पण करते हुये कैबिनेट मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य की 100 प्रतिशत जनसंख्या को पीने के लिए शुद्ध और साफ पानी मुहैया करवाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि गाँव नाहरपुर में 62.36 लाख रुपए की लागत से गाँव के 153 घरों को पीने योग्य पानी की सुविधा दी गई है। उन्होंने बताया कि जल सप्लाई का गहरा बोर करके 25000 लीटर की टैंकी बनाई गई है और पाईप लाईन, सोलर पैनल, क्लोरीनेटर, पानी के नये कुनेक्शन आदि का काम करवाया गया है। इसके इलावा गाँव में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 7.20 लाख रुपए की लागत के साथ 48 शौचालय बनाऐ गए हैं।

इसी तरह गाँव नारोवाली में 48.68 लाख रुपए की लागत से जल सप्लाई स्कीम को सम्पूर्ण किया गया है। उन्होंने बताया कि इस स्कीम के शुरू होने से गाँव के 58 घरों को साफ और शुद्ध पानी की सुविधा मिली है। गाँव में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 4.05 लाख रुपए खर्च करके 27 शौचालय बनाऐ गए हैं। इस मौके पर जनसभाओं को संबोधन करते हुये कैबिनेट मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार लोगों की भलाई के लिए वचनबद्ध है।

'युद्ध नशों विरुद्ध': पंजाब पुलिस द्वारा राज्य भर में कासो के दौरान 272 नशों के हॉटस्पॉटस पर छापेमारी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए अथक यत्नों में नशा विरोधी मुहिम के 170 वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में पहचाने गए ड्रग हॉटस्पॉटस-नशों और मादक पदार्थों की बिक्री वाले स्थानों- पर एक राज्यव्यापी घेराबन्दी और खोज मुहिम (कासो) चलाई।

पुलिस डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय कासो मुहिम चलाई गई। बताने योग्य है कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने राज्य भर में नशीले पदार्थों सम्बन्धी 272 हॉटस्पॉटसों पर छापेमारी की, जिसमें 164 ऐफआईआरज दर्ज

करने के बाद 196 व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया गया है। पुलिस टीमों ने गिरफ़्तार किये गए नशा तस्करों के कब्जे में से 2.4 किलोग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम अफीम, 30 किलोग्राम गाँजा, 13,451 नशीली गोलियां/ कैपसूल और 15, 020 रुपए की ड्रग मनी भी बरामद की है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस सुपरडैंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का भी गठन किया है।

इस कार्यवाही की निगरानी कर रहे विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 01 मार्च, 2025 को शुरू की गई युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के नतीजे के तौर पर राज्य भर में 16705 ऐफआईआरज दर्ज करने के बाद 26085 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया गया है और उनके कब्जे में से 1076 किलो हेरोइन, 372 किलो अफीम, 217 क्विंटल भुक्की, 415 किलो गाँजा, 32.53 लाख नशीली गोलियां/ कैपसूल, 6 किलो आईसीई और 12.38 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस द्वारा शुरू की गई 'सेफ पंजाब' एंटी-ड्रग वटसऐप चैटबोट 97791-00200 को भरपूर समर्थन मिला, जिसके अंतर्गत आम लोगों के सुझावों के बाद 5000 से अधिक ऐफआईआरज दर्ज की गई हैं। स्पेशल डीजीपी ने राज्य निवासियों को सेफ पंजाब हेल्पलाइन का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए कहा, जो नागरिकों को अपना नाम बताए बिना नशों से सम्बन्धित गतिविधियों की रिपोर्ट करने योग्य बनाती है।

भगवान श्रीकृष्ण ने दुष्टों का विनाश कर धर्म की स्थापना की: योगेंद्र राणा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के वार्ड 10 में गोपाल कृष्ण मन्दिर में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर भजन मंडलियों द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक योगेंद्र राणा नें ज्योति प्रचण्ड करके किया। इस अवसर पर मन्दिर के पुजारी पं गोपाल शर्मा, सोनू शर्मा ने विधायक योगेंद्र राणा को पटका पहना कर व श्री कृष्ण का स्वरूप भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर उनके साथ विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी अमरजीत छाबड़ा, पूर्व नपा चेयरमैन दीपक छाबड़ा व भाजपा के वरिष्ठ नेता बृज लाल टक्कर का पटका पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जन्म हर वर्ष भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, भक्ति और न्याय की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गीता में वर्णित है कि जब जब धर्म की हानि होती है। भगवान अवतार लेते हैं। विधायक योगेंद्र राणा नें कहा कि कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने कृष्ण रूप में अवतार लिया। उन्होंने अपनी लीलाओं से दुष्टों का नाश किया और धर्म की स्थापना की, जिससे संसार में सुख और शांति का संचार हुआ।

इस अवसर पर नन्हें बच्चों नें रंग बिरंगी पोषकों में भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं, राधा कृष्ण, सुदामा आदि की सुन्दर झाँकिया निकाली व भजनों पर नृत्य किया। पंडित गोपाल शर्मा के भजनों पर श्रद्धालुओं भरा पंडाल झूम उठा। इस अवसर पर सुभाष मान, जिला कष्ट निवारण कमेटी सदस्य हरबीर सिंह, अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट वितरण में तेजी लाएं, बेसहारा पशु मुक्त हो शहर, गड्ढ़ा मुक्त हों सड़कें: डॉ. वैशाली शर्मा

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट वितरण, बेसहारा पशु मुक्त अभियान, कॉमर्शियल स्पेस परियोजना, स्काडा परियोजना, गड्ढ़ा मुक्त सड़कें, जलापूर्ति व सीवरेज के अवैध कनेक्शन और अवैध विज्ञापनों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर समीक्षा की और सख्त निर्देश दिए।

लाल डोरा क्षेत्र में प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट वितरण कार्य को गति देने के निर्देश दिए गए। अब तक 1300 सर्टिफिकेट वितरित किए जा चुके हैं जबकि 200 और तैयार हैं। निगम क्षेत्र की 61,500 से अधिक संपत्तियों को स्व-प्रमाणित किया जा चुका है। इस कार्य को बढ़ाने के लिए नागरिक सुविधा केंद्र और कार्यालय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बेसहारा पशु मुक्त अभियान के तहत अब तक 175 से अधिक बेसहारा गौवंश को पकड़कर गौशाला भेजा जा चुका है। निगमायुक्त ने टीम में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। पुरानी अनाज मंडी स्थित कॉमर्शियल स्पेस परियोजना को अक्टूबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। कार्य में देरी करने पर एजेंसी पर पेनल्टी लगाने के आदेश दिए गए।

वाटर सप्लाई स्काडा परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है और यह 15 दिन पहले ट्रायल रन पर शुरू हो चुका है। दो महीने बाद यह पूरी तरह लागू हो जाएगी। सड़कें गड्ढ़ा मुक्त बनाने पर भी जोर दिया गया। निगमायुक्त ने इंजीनियरों को निर्देश दिए कि बरसाती सीजन में कहीं भी गड्ढ़े दिखाई दें तो तुरंत सुधार किया जाए। शहीद उधम सिंह चौक से मेरठ रोड तक सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य भी शुरू हो चुका है। सेक्टर-9 सामुदायिक केंद्र से शहीद उधम चौक तक मीलिंग कार्य पूरा हो चुका है और अब नूर महल चौक तक काम जारी है।

जलापूर्ति व सीवरेज के अवैध कनेक्शन लेने वालों को अब तक करीब 9,000 नोटिस वितरित किए जा चुके हैं। पंप ऑपरेटरों को प्रतिदिन 100 नोटिस वितरित करने का लक्ष्य दिया गया है। अवैध विज्ञापन प्रदर्शित करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज की जा रही है। अब तक 180 नोटिस जारी किए गए हैं जिन पर 18 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है।

पिछड़ा वर्ग को क्लास-1 व 2 की नौकरियों में वर्ष 1991 में मिलने वाला आरक्षण आज तक लंबित: तंवर

31 अगस्त को ओबीसी बिग्रेड की कोर कमेटी की मीटिंग भिवानी में होगी

संजना भारती संवाददाता

भिवानी। ओबीसी बिग्रेड की प्रदेश कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण मीटिंग करनाल के मानव सेवा संघ के हॉल में आयोजित हुई। जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा कई अहम फैसलों पर सहमति बनी। यह जानकारी देते हुए ओबीसी बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पिछड़ा वर्ग के क्लास-1 व क्लास-2 में अधूरा आरक्षण है, जो कि वर्ष 1991 में मिल जाना चाहिए था, वो आज तक भी नहीं मिला है। इसमें सभी पिछली सरकारों की नाकामी भी झलकती है। उन्होंने कहा कि इस अधूरे आरक्षण के कारण वष 1991 से लेकर आज तक पिछड़ा वर्ग के लाखों बच्चें क्लास-1 व क्लास-2 की नौकरी से वंचित रह गए तथा वे क्लास-3 व क्लास-4 की नौकरियों में ही उलझे रह गए। राजेंद्र तंवर ने बताया कि इस मांग को पूरा करवाने के लिए हरियाणा के किसी

एक जिला में धरना-प्रदर्शन कर सरकार को चेताया जाएगा, जिसमें हर रोज पिछड़ा वर्ग से संबंधित 100 लोग यह संकल्प लेंगे कि जब तक आरक्षण का अधिकार उन्हे नहीं मिल जाता, वे भाजपा सरकार को वोट नहीं देंगे। तंवर ने बताया कि जितनी जिसकी संख्या भारी-उसकी उतनी हिस्सेदारी के हिसाब से सभी राजनीतिक पार्टियां पिछड़ा वर्ग को टिकट दे तथा सरकार को चाहिए कि जातीय जनगणना करवाकर उनकी संख्या का पता लगाया जाए और उसके हिसाब से राजनीतिक पार्टियां टिकटों में तवज्जो दे। उन्होंने कहा कि यह नाइंसाफी है कि सात प्रतिशत ब्राह्मण समाज को विधानसभा की 12 टिकटें मिल जाती है, लोकसभा की दो टिकटें मिल जाती है तथा 24 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग को लोकसभा में एक टिकट नहीं दी जाती तथा चार विधानसभा में मात्र चार टिकटे दी जाती है। जिस अन्याय को अब पिछड़ा वर्ग के लोग नहीं सहेंगे। राजेंद्र तंवर ने कहा कि 13 अगस्त को कुरूक्षेत्र के लाडवा कस्बा में मुख्यमंत्री द्वारा कुम्हार समाज को दो हजार गांवों में 5-5 एकड़ जमीन देने के लिए पात्रता प्रमाण पत्र दिए गए। जो उस समाज के साथ धोखा है और क्लास-1 व क्लास-2 में आरक्षण देने के मुद्दे पर ध्यान भटकाने का खेल है। क्योंकि इस आरक्षण के मुद्दे पर प्रजापति समाज सबसे ज्यादा मुखर है और वही आंदोलन करता आ रहा है। इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए यह राजनीतिक खेल खेला गया। इन सब मुद्दों को लेकर 31 अगस्त को ओबीसी बिग्रेड की कोर कमेटी की एक मीटिंग भिवानी में ओबीसी बिग्रेड के कार्यालय में होंगी। जिसमें आगे की संघर्ष की रणनीति तैयार की जाएगी।

इस अवसर पर ओबीसी बिग्रेड की कार्यकारिणी का विस्तार भी किया जाएगा। जिसमें रिटायर्ड कमीशनर सूरत सिंह बावलिया को संरक्षक, रोहताश वर्मा को प्रदेश प्रवक्ता, रोहताश सैनी व जिले सिंह पाल को प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य महासचिव एडवोकेट सुरेंद्र कुमार रोहिल्ला, पूर्व डीएसपी करता राम कश्यम, पूर्व निदेशक वेटरनी श्री किशन बागोरिया, उपप्रधान डा. तुलसी राम, कोषाध्यक्ष पूर्व चेयरमैन माटी कला बोर्ड कर्ण सिंह रानौलिया, देशराज प्रजापति बरवाला, मदन वर्मा पूर्व चेयरमैन नगर परिषद भिवानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजद रहे।

राजौंद नगर में स्ट्रीट लाइटें खराब, नागरिकों ने उठाई मरम्मत की मांग

लाइट रिपेयर का टेंडर लग चुका है, खराब लाइटे बहुत जल्द ठीक करवाई जाएगी: नपा सचिव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद नगर में कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जिसके चलते अंधेरे में नागरिकों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों अशोक कुमार, पवन, सुरेश कुमार, दिलबाग, निर्मल सिंह सहित अन्य ने नगर पालिका प्रशासन से लाइटों को तुरंत दुरुस्त करवाने की प्रार्थना की है। लोगों का कहना है कि रात के समय अंधेरे में गली, सड़क पर निकलना मुश्किल हो जाता है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है और असामाजिक तत्वों को भी मौका मिल जाता है।

नागरिकों की शिकायतों पर नगर पालिका राजौंद के सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के लिए टेंडर लग चुका है और बहुत जल्द काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि नगर में किसी भी पोल की लाइट खराब हो तो उसकी गूगल फोटो खींचकर नगर पालिका कार्यालय में भेजें। संबंधित फोटो मिलने पर संबंधित जगह की लाइट को प्राथमिकता से ठीक करवा दिया जाएगा। सचिव ने यह भी आश्वासन दिया कि नगर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटें चरणबद्ध तरीके से दुरुस्त की जाएंगी, ताकि लोगों को रात में आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। नागरिकों ने नगर पालिका की इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि शीघ्र ही नगर की सभी लाइटें ठीक हो जाएंगी।

इस मामले को लेकर नगर के लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन समय पर लाइटें दुरुस्त करवा दे, तो नगर में सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित हो सकेंगी।

श्री प्राचीन शम्भू बन तीर्थ में शिव आराधना के साथ वीर शहीदों को किए श्रद्धा-सुमन अर्पित

महन्त दिगम्बर सतेन्द्र गिरी जी ने किया वीरों के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। श्री प्राचीन शम्भू बन तीर्थ गांव साम्भी में वीर शहीदों की याद में भव्य शिव संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व श्री निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार के महन्त दिगम्बर सतेन्द्र गिरी जी महाराज ने किया। इस धार्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भोलेनाथ के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। भजन गायिका नीतू श्याम लाडली ने अपने मधुर स्वरों में भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने शिव आराधना के साथ वीर शहीदों को भी श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इससे पहले आए हुए गणमान्य लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को भी सलामी दी और देशभक्ति, भारत मात की जय के जयकारे लगाए। संकीर्तन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक स्वर में भारत माता की जय व हर-हर महादेव के नारे लगाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

इस मौके पर महन्त दिगम्बर सतेन्द्र गिरी जी ने कहा कि श्री प्राचीन शम्भू बन तीर्थ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह शहीदों की शौर्यगाथा को याद दिलाने वाला स्थान भी है। उन्होंने श्रद्धालुओं को देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि तीर्थ की एक विशेष मान्यता भी है कि यहां स्नान करने से चर्म रोग जड़ से समाप्त हो जाते हैं। यही कारण है कि हर वर्ष हजारों श्रद्धालु इस पावन स्थान पर आकर स्नान करते हैं और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम में शामिल हुए भक्तों ने कहा कि शहीदों की स्मृति में आयोजित यह संकीर्तन न केवल भक्ति का अद्भुत अनुभव रहा बल्कि समाज को देशभक्ति व त्याग का संदेश भी देता है।

इस अवसर पर महंत रामचंद्र गिरि, महन्त सिसेन्द्र गिरि, रजनीश रोहित पानीपत, अनुज दिल्ली, धमेंद्र, अखिल ऋषिकेश, सिद्धि, मनप्रीत, मन्नू नीलोखेड़ी, डा. दीप सौंकड़ा, अंशू रानीखेड़ा, राहुल दिल्ली, गुरदीप सिंह पड़वाला, भूपेंद्र चौधरी उत्तरप्रदेश, अमित, विपिन त्यागी, सेवादार शिवराम गिरि, मनोहर गिरि, जय भगवान, महेंद्र सिंह, गुलाब सिंह, प्रताप सिंह, सेवा सिंह, धर्मपाल, रणधीर सिंह, कृष्ण कुमार, प्रिंस काम्बोज, बलजीत सिंह, रामपाल, सन्नी व अमन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना कलायत पुलिस द्वारा 17 बोतल देसी शराब सहित आरोपी काबू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। अवैध शराब तस्करो की धरपकड़ के लिए चलाई जा रही मुहीम तहत थाना कलायत पुलिस द्वारा एक आरोपी को 17 बोतल देसी शराब सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया पुलिस अधीक्षक कैथल आस्था मोदी के निर्देश पर पुलिस नशे के विरुद्ध सख्त अभियान चलाएं हुए हैं। थाना कलायत पुलिस के एएसआई विनोद कुमार की टीम द्वारा सांयकालीन गश्त दौरान एक गुप्त सुचना मिलने उपरांत महाराणा प्रताप चौंक कलायत स्थित एक दुकान पर दबिश देकर आरोपी कलायत निवासी गौरव कुमार को काबू कर लिया गया। जाँच दौरान आरोपी के कब्जे से 17 बोतल देशी शराब बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना कलायत में

पुलिस अधीक्षक कैथल आस्था मोदी।

मामला दर्ज करके पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

हरियाणा में अनुबंध कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा के लिए शुरू होगा ऑनलाइन पोर्टल

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अनुबंधित कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा संबंधी मामलों में पारदर्शिता, सटीकता एवं एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने का निर्णय लिया है। हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) नियम, 2025 के अंतर्गत आवेदन इस पोर्टल के माध्यम प्रस्तुत किए जाएंगे और इसी के माध्यम से इन पर विचार किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को लिखे एक पत्र में कहा गया है कि कई विभागों, बोर्डों और निगमों द्वारा नए प्रावधानों पर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा था। ऐसे में राज्य सरकार ने पूरी प्रक्रिया को सरल और एकरूप बनाने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का निर्णय लिया है। यह आवेदन प्रक्रिया समयबद्ध होगी, जिससे प्रशासनिक देरी कम होगी। इस संबंध में सभी विभागों, बोर्डों और निगमों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे मामले मानव संसाधन विभाग को स्पष्टीकरण अथवा परामर्श हेतु न भेजें, क्योंकि पूरा कार्य ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही किया जाएगा। इसलिए सभी विभागों और बोर्डों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऑनलाइन प्रणाली के शुभारंभ का इंतजार करें, क्योंकि आगे की पूरी प्रक्रिया इसी माध्यम से संचालित होगी।

राजौंद क्षेत्र में पुलिया का निर्माण वर्षों से अधूरा, नागरिकों ने जताई नाराजगी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल की सीमा में कैथल-राजौंद-असंध मार्ग पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई सड़क पर पुलिया की दीवार का निर्माण कार्य कई वर्षों से अधूरा पड़ा है। स्थिति यह है कि अधूरे काम के कारण आए दिन वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अर्धनिर्मित पुलिया पर दीवार का निर्माण कार्य नहीं किया गया है। रात के समय सामने से आ रहे वाहन की लाइट आंखों में पड़ने से अर्धनिर्मित पुलिया दिखाई नहीं देती, जिससे वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। लेकिन विभाग की उदासीनता व ठेकेदार की लापरवाही के चलते वाहन चालकों के लिए यह मार्ग परेशानी का सबब बन चुका है।

भीम सिंह

विशाल कुमार

स्थानीय नागरिकों व राहगीरोंव मार्किट यूनियन प्रधान भीम सिंह राणा, सन्नी शर्मा, सुरेश, अमन कुमार, सेमी लाल, शमशेर सिंह, विशाल कुमार ने बताया कि इस पुलिया पर कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। अंधेरे और बरसात के समय खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग कैथल से बार-बार शिकायतें कीं, लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि ऐसा लगता है मानो ठेकेदार विभाग की बात सुनने को तैयार ही नहीं है और विभाग भी इस लापरवाही पर चुप्पी साधे हुए है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री हरियाणा से मांग की है कि इस अधूरे निर्माण कार्य को तुरंत पूरा करवाया जाए, ताकि हादसों की आशंका को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने मांग रखी कि जिस ठेकेदार ने काम अधूरा छोड़कर जनता की जान जोखिम में डाली है, उसका लाइसेंस रद्द किया जाए, ताकि भविष्य में कोई और ठेकेदार इस तरह की लापरवाही न कर सके।

नागरिकों ने कहा कि कैथल-राजौंद-असंध मार्ग पर स्थित सभी पुलियों का निर्माण कार्य वर्षों से अधर में लटका हुआ है।

सरकार को इस ओर गंभीरता से कदम उठाकर जल्द से जल्द कार्य पूरा करवाना चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और इस सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

मेयर रेनू बाला गुप्ता ने जन सुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। मेयर रेनू बाला गुप्ता ने नगर निगम कार्यालय में सोमवार को जन सुनवाई की और आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। उन्होंने अपने कार्यालय में आए नागरिकों की समस्याओं को एक-एक कर सुना और सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारियों को बुलाकर उनकी समस्याओं का निवारण करवाया। इस दौरान महापौर के समक्ष सम्पत्ति कर आई.डी. में त्रुटि को दुरूस्त करना, सडकों के गढ्ढे भरने तथा स्ट्रीट लाईट ठीक करवाने जैसी शिकायतें आई।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्टद किया कि शिकायतकर्ता को बार-

बार कार्यालय के चक्कर न काटने पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं जैसे सडकों को गढ्ढा मुक्त करना तथा स्ट्रीट लाईट को दुरूस्त रखने जैसे कार्य करवाए जाएं, ताकि शहरवासियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं को पकड़ने के लिए शहर में अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अब तक करीब 175 गौवंश को पकडकर गौशाला पहुंचाया गया है, जहां उनका अच्छे से ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने कार्यों के प्रति गम्भीर रहें, किसी प्रकार की कोताही न बरतें। उन्होंने शहरवासियों से आह्वान किया कि वे कार्यालय में आते समय अपनी शिकायतें लिखित रूप में लेकर आएं और अपना मोबाइल नम्बर भी अवश्य लिखें, ताकि कार्य होने की फीडबैक भी ली जा सके।

इस दौरान उन्होंने शहरवासियों से अपील करते कहा कि नगर निगम क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाए रखें। एकल प्रयोग प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। उन्होंने कहा कि कोई भी थोक विक्रता, दुकानदार या रेहड़ी-फड़ी वाले एकल प्रयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करें। उन्होंने नागरिकों से भी कहा कि वह बाजार पर खरीददारी करने आते समय कपड़े का बैग या थैला घर से ही लेकर चलें। उन्होंने कहा कि एकल प्रयोग प्लास्टिक हमारे स्वाथ्य व पर्यावरण, दोनों के लिए बेहद हानिकारक है।

मेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा विधायक जगमोहन आनंद के नेतृत्व में करनाल शहर में अनेक विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनका नागरिकों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनका जीवन स्तर भी ऊंचा उठा है।

पंचकूला के पहाड़ी क्षेत्र मोरनी व कालका में लोगों को जल्द मिलेगी सुगम आवागमन की सुविधा

एसबी संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला पंचकूला के पाहड़ी क्षेत्र मोरनी व कालका में लोगों को सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 19 गांवों के लगभग 61 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पक्का कर पेवर ब्लॉक की सड़कें बनाने के निर्देश दिए। इन सड़कों की चौड़ाई 12 फुट होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज यहाँ लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वन विभाग से एनओसी लेकर शीघ्र इन गांवों में सड़कों के निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोरनी व कालका के पहाड़ी क्षेत्र के इन गांवों में सड़क बनने से वहां के निवासियों को आवाजाही के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और इन इलाकों में विकास के नए मार्ग प्रशस्त होगी। यहां रहने वाले निवासियों को कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से जल्द निजात मिलेगी। श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में नई सड़कों के निर्माण और मुरम्मत में गुणवता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवता से किसी भी प्रकार का समझौता कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा।